वैकल्पिक अकादमिक कैलेंडर

प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए

कक्षा 1

गणित (कक्षा 1)

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन*	*सप्ताहवार सुझावात्मक गतिविधियां (अभिभावकों द्वारा अध्यापक के सहयोग से संचालित)*
बच्चा ● विभिन्न वस्तुओं को उनके भौतिक विषेशताओं, जैसे - आकृति , आकार तथा अन्य अवलोकनीय गुणों जैसे - लुढ़कना, खिसकना, के आधार पर समूहों में वर्गीकृत करते हैं ● अपनी भाषा में विभिन्न ठोस / आकृतियों की भौतिक विशेषताओं का वर्णन करता है। उदाहरण के लिए- एक बॉल रोल करती है, एक बॉक्स खिसकता है, आदि। ● 1 से 9 तक को संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं| ● 20 तक की संख्याओं को मूर्त रूप से, चित्रों और प्रतीकों द्वारा बोलकर गिनते हैं। ● 20 तक संख्याओं की तुलना करते हैं, जैसे- यह बता पाते हैं कि किस समूह में वस्तुएं अधिक है।	एन.सी.ई.आर.टी/राज्यों द्वारा विकसित कक्षा एक की गणित की पाठ्यपुस्तक	**सप्ताह 1** ***थीम- पूर्व-संख्या शब्दावली:*** ● बच्चे को आस-पास के वातावरण से विभिन्न संदर्भों और स्थितियों का निरीक्षण करने के लिए कहा जा सकता है, जैसे कि उनके कमरे / रसोईघर / घर, आदि के अंदर/ बाहर की चीजें। ● बच्चे को स्थानिक शब्दावली / अवधारणाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जैसे ऊपर-नीचे, अंदर-बाहर, निकट-दूर, पहले-बाद, पतला-मोटा, बड़ा-छोटा आदि। ● बच्चे को अपने आस-पास की चीजों को पहचानने और तुलना करने के लिए कहा जा सकता है, उदाहरण के लिए जो चीजें निकट-दूर, लम्बी-छोटी, मोटी-पतली, आदि। ● बच्चा विभिन्न इंद्रियों जैसे स्पर्श, श्रवण और देखने के माध्यम से वस्तुओं के बीच अंतर और समानता की पहचान कर सकता है। ● बच्चे को ऐसी गतिविधियों पर जोर देते हुए वर्कशीट भी दी जा सकती है। इन वर्कशीट से बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने और अपने आस-पास की वस्तुओं के साथ जुड़ने के कई अवसर देने होंगे। **सप्ताह -2** ***थीम-वर्गीकरण*** ● बच्चे को मेज़ पर कुछ वस्तुओं को इकट्ठा करने के लिए कहा जा सकता है जैसे पेन, पेंसिल, रंग, इरेज़र, शार्पनर, या कपड़े, कागज, लकड़ी, कांच,

कक्षा 2

गणित (कक्षा 2)

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन*	*प्रस्तावित गतिविधियाँ (बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
• बच्चे मूल त्रि आयामी आकारों को पहचानते है जैसे घन, घनाभ,शंकु, बेलन और गोले आदि	NCERT / राज्यों द्वारा कक्षा 2 के लिए विकसित पाठ्यपुस्तक	**सप्ताह 1** ***थीम- क्या है लम्बा क्या है छोटा?*** • बच्चों को प्रोत्साहित करें की वो अवलोकन करके /छू कर वस्तुओं का और उनके गुणों का वर्णन करें। • बच्चे की आँखे बंद करके एक खेल खेला जा सकता है जहाँ उन्हें वस्तु को बिना देखे उसका वर्णन करना होता है। इसका उद्देश्य बच्चे को एक ठोस आकार की विभिन्न विशेषताओं का निरीक्षण करना और उन्हें अपनी अनौपचारिक भाषा में व्यक्त करना है। **सप्ताह 2** ***थीम- क्या है लम्बा क्या है छोटा?*** • कोई एक ठोस आकृति दिखा कर पूंछे की इसके जैसे दिखने वाली कौन कौन सी वस्तुएं बच्चे के आस पास है। उदाहरण के लिए बच्चे को एक गेंद या जुटे का डिब्बा दिखा कर उसके जैसी वस्तुएं दिखाने के लिए कहें।उन्हें यह बताने के लिए भी कहें कि दो वस्तुएं क्यों एक जैसी हैं? कौन से गुण दोनों वस्तुओं में सांझे हैं? आदि • बच्चे को ऐसी वस्तुओं का अवलोकन कर उन्हें वर्गीकृत करने के लिए कहे जो धक्का देने पर फिसलती है या घूमती है. या दोनों हैं। • बच्चों को निम्नलिखित लिंक पर एक गतिविधि करने के लिए कहें। https://diksha.gov.in/play/collection/do_31296982214267699215 5?contentType=TextBook&contentId=do_3129365801849077761150

पर्यावरण अध्ययन (कक्षा IV)		
सीखने के प्रतिफल	***संसाधन***	***प्रस्तावित गतिविधियाँ (बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे)***
बालक ● विस्तृत कुटुंब में अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी रिश्तों को पहचानते हैं। ● दैनिक जीवन के विभिन्न कौशल-युक्त कार्यों- खेती, भवन निर्माण, कला / शिल्प आदि का वर्णन करते हैं तथा पूर्वजों से मिली विरासत एवं प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका की व्याख्या करते हैं। ● स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों/ अनपुयोगी पदार्थों से कोलॉज, डिजाइन, मॉडल, रंगोली, पोस्टर, एलबम बनाते हैं और विद्यालय/पास-पड़ोस के नक्शे और फ्लो चित्र आदि की रचना करते हैं। ● दैनिक आवश्यकताओ की वस्तुओं, जैसे - भोजन, जल, वस्त्र के उत्पादन तथा उनकी उपलब्धता; स्रोत से घर तक पहुँचने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।	एनसीईआरटी या राज्य की पाठ्यपुस्तक बच्चे और माता-पिता एनसीईआरटी के ऑनलाइन शैक्षिक संसाधन भंडार (NROER) पर भी जा सकते हैं और ईवीएस के लिए उपलब्ध ई-संसाधन ऑनलाइन उपलब्ध करा सकते हैं। • जन्म प्रमाण पत्र- https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1ef85916b51c016225de07 • सिलेंडर लो मगर ध्यान से https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d230fe116b51c01725581dd • दादी की रसोई से https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1efb1116b51c016313bfa3 • सावधानी ही सुरक्षा https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page	**सप्ताह 1** ● अपने माता पक्ष और पिता पक्ष के परिवार का एक बड़ा सा पेड़ बनाएं। अपने दादा-दादी और माता-पिता से बात करें कि आपके परिवार का पेड़ उनके बचपन के परिवार के पेड़ से कितना अलग है। ● बच्चे को कुछ कसरत करने के लिए प्रोत्साहित करें। जैसे घर पर रस्सी कूदना, योग, नृत्य पहेली, इनडोर गेम्स आदि। माता-पिता अपने बच्चों के साथ मिलकर स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। (अगले सप्ताह भी जारी रखें) ● घर पर रहने की अवधि के दौरान बच्चे विभिन्न घरेलू कार्यों में भाई-बहनों और बड़ों की मदद कर सकते हैं। **सप्ताह -2** ● अब आपके आस-पास क्या बदलाव दिख रहा है? जब आप स्कूल जा रहे थे तो यह उस जीवन से कैसे अलग है? क्या आपका यह जीवन गर्मियों या सर्दियों की छुट्टियों से भी अलग है? कैसे? ● घर पर बच्चों को रसोई की गतिविधियों को देखने के लिए कहा जा सकता है। बच्चों को खाने की वस्तुओं (अनाज, दालें, मसाले आदि) को देखने और उन्हें सूचीबद्ध करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है और रसोई में बड़ों की मदद कर सकते हैं। ● कोरोना के प्रकोप पर सार्वजनिक जागरूकता के लिए पांच नवाचार/परिवर्तनात्मक संदेश तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक तरीकों का उपयोग करें।